Patrika (Indore) 19 January, 2017

कृषि अव्वल प्रदेश, लेकिन...

फूड प्रोसेसिंग उद्योग को मिला मात्र 3400 करोड़ का निवेश

एसोचैम इंडिया के अध्ययन में खुलासा

इंदौर @ पत्रिका. मध्यप्रदेश कृषि उत्पादन में लगातार कृषि कर्मण्य अवार्ड जीत कर देश में नंबर बना हुआ है, लेकिन खाद्य प्रसंस्करण यानी फूड प्रोसेसिंग के क्षेत्र में पिछड़ रहा है। अनुकूल स्थितियों व पर्याप्त संसाधनों के बावजूद प्रदेश को मिले 6 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्तावों में इन उद्योगों के लिए मात्र 3400 करोड़ रुपए का निवेश ही मिला है।

यह खुलासा एसोसिएट्स चेम्बर्स ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज ऑफ इंडिया (एसोचैम) के प्रदेश में फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्रीज की मेक इन इंडिया में हिस्सेदारी के लिए किए अध्ययन में हुआ है। इसमें कहा गया है कि प्रदेश में अच्छी गुणवत्ता के कृषि उत्पाद उपलब्ध हैं। सरकार कृषि को फायदे का सौदा बता कर लगातार उत्पादन और रकबा बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं। ऐसे में इस उद्योग को बढ़ावा नहीं मिलना चिंता की बात है। बुधवार को एसोचैम के राष्ट्रीय महासचिव डीएस रावत व टारी की निदेशक क्षमा कौशिक ने बताया कि प्रदेश में खाद्य प्रंस्सकरण उद्योग के लिए असीम संभावनाएं है। स्थानीय आपूर्ति के साथ ही निर्यात के भी पूरे अवसर है। प्रदेश 60 फीसदी सोयाबीन व 27 फीसदी दलहन उत्पादन के साथ देश में अव्वल है।